विषय-सूची

क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.	क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.
बन्धक-सत्त्वप्ररुपणा १ धवलाकारका मंगलाचरण १ २ बन्धकोंका निर्देश १ गतिमार्गणानुसार बन्धक और अबन्धकोंकी प्ररुपणा ७	४ बन्धकारणोंका निर्देश ९ ५ इन्द्रियमार्गणानुसारबन्धक- अबन्धकोंका प्ररुपण १५ कायमार्गणानुसार बन्धक प्ररुपणा १६

क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.	क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.
७ योगमार्गणानुसार बन्धक प्ररुपणा १७ ८ वेदमार्गणानुसार बन्धक प्ररुपणा १८ ९ कषायमार्गणानुसार बन्धक प्ररुपणा १९ १० ज्ञान व संयम मार्गणानुसार बन्धक प्ररुपणा २० ११ दर्शन लेश्या मार्गणानुसार बन्धक प्ररुपणा २१ १२ भव्य व सम्यक्त्व मार्गणानुसार	२० कषायमार्गंणानुसार स्वामित्व ८२ २१ ज्ञानमार्गणानुसार स्वामित्व ८४ २२ संयममार्गणानुसार स्वामित्व ९१ २३ दर्शनमार्गणानुसार स्वामित्व प्ररुपणामें दर्शनाभावको आशंका और उसका समाधान ९६ २४ लेश्यामार्गणानुसार स्वामित्व १०४ २५ भव्यमार्गणानुसार स्वामित्व १०६ २६ सम्यक्त्व मार्गणानुसार स्वामित्व प्ररुपणा १०७ २७ संज्ञिमार्गणानुसारस्वामित्व १११ २८ आहारमार्गणानुसार स्वामित्व ११२ एक जीवकी

बन्धक प्ररुपणा

२२

१३ संज्ञिमार्गणानुसार बन्धक प्ररुपणा

२३

१४ आहारमार्गणानुसार बन्धक प्ररुपणा

२४

स्वामित्वानुगम

बन्धकोंकी प्ररुपणामें ग्यारह

अनुयोगध्दारोंका निर्देश २५

२ ग्यारह अनुयोगद्वारोंका क्रम

२६

३ गतिमार्गणानुसार नैगमादिक

नयोंकी अपेक्षा नारकप्ररुपणा

२८

तिर्यच, मनुष्य व देवगतिमें

स्वामित्वप्ररुपण ३१

५ नारकियोंके पांच उदय-स्थानोंका

निरुपण ३२

६ तिर्यचोमें नौ उदयस्थानोंका

निरुपण ३५

उदयस्थानभंगोकी संख्यादिकके जाननेका

उपाय

४४

८ मनुष्योंमें ग्यारह उदयस्थानोंका

निरुपण ५२

९ देवोंमें पांच उदयस्थानोंका

अपेक्षा कालानुगम

गतिमार्गणानुसार नारकि-योंकी

कालप्ररुपणा ११४

२ तिर्यचोंकी कालाप्ररुपणा

१२१ ३ मनुष्योंकी कालाप्ररुपणा १२५

४ देवोंकी कालप्ररुपणा १२७

इन्द्रियमार्गणानुसार एकेन्द्रिय

जीवोंकी कालप्ररुपणा १३५

६ विकलेन्द्रियोंकी कालप्ररुपणा १४१

७ पंचेन्द्रियोंकी कालाप्ररुपणा

१४२ ८ पृथिवीकायिकादिक जीवोंकी

कालप्ररुपणा १४३

सूक्ष्म वनस्पतिकायिकोंसे सूक्ष्म

निगोदजीवोंकी पृथक्प्ररुपणा १४७

१० त्रसकायिकोंकी कालप्ररुपणा १४९

११ मनोयोगी व वचनयोगी

जीवोंकी कालप्ररुपणा १५१

१२ काययोगी जीवोंकी कालप्ररुपणा

१५२

१३ स्त्रीवेदी जीवोंकी कालप्ररुपणा १५६

१४ पुरुषवेदी जीवोंकी कालप्ररुपणा १५७

१५ नपुंसकवेदी जीवोंकी कालप्ररुपणा

१५८ १६ अपगतवेदी जीवोंकी कालप्ररुपणा

१५९ १७ क्रोधादि कषाय युक्त

जीवोंकी कालप्ररुपणा १६०

१८ मति-श्रुत अज्ञानीं जीवोंकी कालप्ररुपणा

निरुपण ५८ १० इन्द्रियमार्गणानुसार स्वामित्वप्ररुपण ६१ ११ इन्द्रिय शब्दका निरुक्त्यर्थ ६१ एकेन्द्रिय भावमें क्षायोपशमिकत्व प्रकट करते हुए घाति-अघाति कर्मोका प्ररुपण १३ द्वीन्द्रियादि भावोंमें क्षायो- पशमिकता ६४ १४ एकेन्द्रियादि भावोंमें औद-यिके भावकी आशंका व उसका समाधान ६७ १५ अनिन्द्रियत्वमें क्षायिक भाव बतलाते हुए इन्द्रियविनाशमें ज्ञानादिकेविनाशकी आशंका व उसका समाधान ६८ १६ कायमार्गणानुसार स्वामित्व प्ररुपणा ७० १७ योगमार्गणानुसार स्वामित्व प्ररुपणामें तीनों योगोंके लक्षण व उनमें क्षायोपशामिक भावका निरुपण ७४ १८ वेदमार्गणानुसार स्वामित्व प्ररुपणा ७८	१६१ १९ विभंगज्ञानियोंका काल १६३ २० मति-श्रुतज्ञानियोंका काल १६४ २१ मन:पर्ययज्ञानी और केवल- ज्ञानी जीवोंकी कालप्ररुपणा १६५ परिहारशुध्दिसंयत व संयता-संयत जीवोंकी कालप्ररुणपणा १६६

स्त्रीवेद क्या स्त्रीवेद द्रव्य कमं जनित परिणाम है या नाम-कर्मोदयजनित शरीरविशेष ? इस शंकाका समाधान ७९	

क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.	क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.
सामायिक-छेदोपस्थापना-	१८ केवलज्ञानियोंका अन्तर २२१
शुध्दिसंयत और सूक्ष्मसाम्प-	१९ संयत जीवोंका अन्तर २२१
रायिकशुध्दिसंयतोंका काल १६८	२० असंयत जीवोंका अन्तर २२५
यथाख्यातविहारशुध्दिसंयतोंकी	२१ चक्षुदर्शनी जीवोंका अन्तर
कालप्ररुपणा १६९	२२६ २२ अचक्षुदर्शनी व अवधि-दर्शनियोंका
२५ असंयतोकी कालप्ररुपणा	अन्तर २२७
१७१ २६ चक्षुदर्शनी जीवोंका काल	२३ केवलदर्शनियोंका अन्तर २२८
१७२	२४ कृष्णादिक तीन लेश्या युक्त
अचक्षुदर्शनी व अवधि-दर्शनियोंकी	जीवोंकी अन्तर २२८
कालप्ररुपणा १७३	२५ पीतादिक तीन लेश्या युक्त जीवोंकी
२८ केवलदर्शनी जीवोंका काल	अन्तरप्ररुपणा २२९
१	२६ भव्य व अभव्य जीवोंका अन्तर २३०
२९ कृष्णादिक तीन लेश्यावालोंकी	सम्यग्दृष्टि और सम्यग्मिथ्या-दृष्टि
कालप्ररुपणा १७४	जीवोंका अन्तर
पीतादिक तीन लेश्यावलोंकी कालप्ररुपणा १७५	२३१
भव्यसिध्दिक जीवोंकी काल-प्ररुपणा १७६	२८ सासदनसम्यग्दृष्टियोंकी अन्तरप्ररुपणा
अभव्यसिध्दिक जीवोंकी काल-प्ररुपणा १७७	२३२
सम्यग्दृष्टि जीवोंकी काल-प्ररुपणा १७८	२९ मिथ्यादृष्टियोंकी अन्तरप्ररुपणा

सम्यग्मिथ्यादृष्टि जीवोंकी कालप्ररुपणा १८१
सासादनसम्यग्दृष्टि जीवोंकी कालप्ररुपणा १८२
मिथ्यादृष्टि जीवोंकी काल-प्ररुपणा १८३
संज्ञी जीवोंकी कालप्ररुपणा १८३
असंज्ञी जीवोंकी कालप्ररुपणा १८४
आहारक जीवोंकी कालप्ररुपणा १८४
अनाहारक जीवोंकी कालप्ररुपणा १८५
एक जीवकी अपेक्षा अन्तरानुगम
१ गतिमार्गणानुसार नारकियोंका अन्तर
१८७
२ तिर्यच व मनुष्योंका अन्तर
१८८ ३ देवोंका अन्तर १९०
४ एकेन्द्रिय जीवोंका अन्तर १९८
५ द्वीन्द्रियादिक जीवोंका अन्तर २०१
६ पृथ्वीकायिकादिक जीवोंका अन्तर
२०२ ७ त्रसकायिक जीवोंका अन्तर
२०४
पांच मनोयोगी व पांच वचनयोगी
जीवोंका अन्तर २०५
९ काययोगियोंकी अन्तरप्ररुपणा २०६
१० स्त्री-पुरुषवेदियोंका अन्तर
२१३
११ नपुंसकवेदियोंका अन्तर २१४
१२ अपगतवेदियोंका अन्तर २१५
१३ क्रोधादि कषाय युक्त जीवोंका अन्तर
२१६ १४ अकषायी जीवोंका अन्तर
२३४ ३० संज्ञी जीवोंकी अन्तरप्ररुपणा
२३४ ३१ असंज्ञी जीवोंकी अन्तरप्ररुपणा
२३५ ३२ आहारक-अनाहारक जीवोंकी
अन्तरप्ररुपणा २३६
नाना जीवोकी अपेक्षा भंगविचयानुगम
गतिमार्गणामें अस्ति-नास्ति
भंगोंका निरुपण २३७
इन्द्रिय व कायमार्गणामें अस्ति-
नास्ति भंगोका निरुपण २३९
३ योग, वेद व कषाय मार्गणामें अस्ति-
नास्ति भंगोका निरुपण २४०
४ ज्ञान व संयम मार्गणामें अस्ति-
नास्ति भंगोका निरुपण २४१
५ दर्शन, लेश्या व भव्य मार्गणामें
आस्ति-नास्ति भंगोका निरुपण २४२
६ सम्यक्त्व, संज्ञी व आहार मार्गणामें
अस्ति-नास्ति भंगोका निरुपण २४३
द्रव्यप्रमाणानुगम
गतिमार्गणानुसार द्रव्य, काल व क्षेत्रकी
अपेक्षा नारकी जीवोंका प्रमाण २४४
द्रव्य, काल व क्षेत्रकी अपेक्षा
तिर्यच जीवोंका प्रमाण २५०
३ मनुष्य व मनुष्य अपर्याप्तोंका प्रमाण
२५४
४ मनुष्य पर्याप्त व मनुष्य-नियोका प्रमाण
२५७ ५ सामान्य देवोंका प्रमाण २५९

२१७ १५ मतिश्रुत अज्ञानी जीवोंका अन्तर २१७ १६ विभंगज्ञानी जीवोंका अन्तर २१८ मतिज्ञानी आदि चार सम्य- ग्ज्ञानियोंका अन्तर २१९	६ भवनवासी देवोंका प्रमाण २६१ ७ वानव्यन्तर देवोंका प्रमाण २६२ ८ ज्योतिषी देवोंका प्रमाण २६३
क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.	क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.
९ सौधर्म-ईशानकल्पवासी देवोंका प्रमाण २६४ १० सनत्कुमारादि शतार-सहस्त्रार कल्पवासी देवोंका प्रमाण २६५ ११ आनतादि अपराजित विमान- वासी देवोंका प्रमाण २६६ १२ सर्वार्थसिध्दि विमानवासी देवोंका प्रमाण २६७ १३ एकेन्द्रिय जीवोंका प्रमाण २६७ १४ द्वीन्द्रियादिक जीवोंका प्रमाण २६९ १५ पृथिवीकायिकादिक स्थावर जीवोंका प्रमाण २७० १६ त्रसकायिक जीवोंका प्रमाण २७६ १७ मनोयोगी व वचनयोगी जीवोंका प्रमाण २७६ १८ काययोगी जीवोंका प्रमाण २७८ १९ स्त्री-पुरुषवेदी जीवोंका प्रमाण २८१ २० नपुंसकवेदी जीवोंका	४ पांच प्रकारके तिर्यचोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३०५ ५ मनुष्य, मनुष्य पर्याप्त और मनुष्यनियोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३०८ ६ मनुष्य अपर्याप्तोंका क्षेत्र ३११ ७ मारणान्तिक क्षेत्रके निकाल-नेका विधान ३१२ ८ सामान्य देवोंका क्षेत्रप्रमाण ३१३ ९ भवनवासी आदि सर्वार्थ सिध्दि पर्यत देवोंका क्षेत्र ३१६ १० भवनवासी आदि देवोंका शरीरत्सेध ३१९ ११ सामान्य एकेन्द्रिय व सूक्ष्म एकेन्द्रिय तथा उनके पर्याप्त अपर्याप्तोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३२० बादर एकेन्द्रिय पर्याप्त व अपर्याप्तोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३२२ द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय और चतु-रिन्द्रिय

प्रमाण २८२ २१ अपगतवेदी
जीवोंका प्रमाण २८३ २२
क्रोधादिकषायी जीवोंका प्रमाण २८४
२३ अकषायी जीवोंका प्रमाण
२८५ २४ मति-श्रुत अज्ञानी जीवोंका प्रमाण
२८५ २५ विभंगज्ञानी जीवोंका
प्रमाण २८६ २६ मति, श्रुत व
अबधिज्ञानी जीवोंका प्रमाण २८६ २७ मन:पर्यय
व केवलज्ञानी जीवांका प्रमाण २८७ २८संयत
जीवोंका प्रमाण २८८ २९ असंयत
जीवोंका प्रमाण २८९ ३० चक्षुदर्शनी
जीवोंका प्रमाण २९० ३१
अचक्षुदर्शनी और अवधि-दर्शनी
जीवोंका प्रमाण २९१
३२ केवलदर्शनी जीवोंका प्रमाण २९२
कृष्णादिक चार लेश्यावाले जीवोंका प्रमाण २९२
पद्म व शुक्ल लेश्यावाले जीवोंका प्रमाण २९३
भव्यसिध्दिक जीवोंका प्रमाण २९४
अभव्यसिध्दिक जीवोंका प्रमाण २९५
सम्यग्दृष्टि और सम्यग्मिथ्या-दृष्टि
जीवोंका प्रमाण २९६
३८ मिथ्यादृष्टि जीवोंका प्रमाण
२९७
३९ संज्ञी और असंज्ञी जीवोंका प्रमाण
२९७ ४० आहारक व अनाहारक जीवोंका
प्रमाण २९८ क्षेत्रानुगम
जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३२४
पंचेन्द्रिय व पंचेन्द्रिय पर्याप्त जीवोंकी
क्षेत्रप्ररुपणा ३२६
१५ पंचेन्द्रिय अपर्याप्तोंकी क्षेत्र-प्ररुपणा
३२८ १६ पृथिवीकायिकादिक व सूक्ष्म
पृथिवीकायिकादिक जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा
३२९ १७ बादर पृथिवीकायिकादिक आठ
वर्गोकी
क्षेत्रप्ररुपणा ३३०
१८ आठ पृथिवियोंका जगप्रतर प्रमाण
३३१ १९ पर्याप्त बादर पृथिवीकायि-
कादिकोंकी
क्षेत्रप्ररुपणा ३३४
२० बादर वायुकायिक व उनकेअपर्याप्तोंकी
क्षेत्रप्ररुपणा ३३५
२१ बादर वायुकायिक व पर्याप्तोंकी
क्षेत्रप्ररुपणा ३३६
वनस्पतिकायिक व निगोद जीवोंकी
क्षेत्रप्ररुपणा ३३७
बादर वनस्पतिकायिक व बादर निगोद
जीवोंकी क्षेत्र प्ररुपणा ३३८ २४
त्रसकायिक जीवोंका क्षेत्र
३३९ २५ पांचो मनोयोगी और पांचो
वचनयोगियोंकी
क्षेत्रप्ररुपणा ३४०
२६ काययोगी और औदारिक-

स्वस्थान समुदघान व उप-पादके भेद और उनकेलक्षण २९९ नारकियोंकी क्षेत्रप्ररुपणा और उनके मारणान्तिक क्षेत्रकेनिकालनेका विधान ३०१ ३ उपपादक्षेत्रकेनिकालनेका विधान ३०३	मिश्रकाययोगियोंका क्षेत्र ३४१ २७ औदारिककाययोगियोंका क्षेत्र ३४२ २८ वैक्रियिककाययोगियोंका क्षेत्र ३४३ २९ वैक्रियिकमिश्रकाययोगियोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३४४ ३० आहारकाययोगियोंका क्षेत्र ३४५

क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.	क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.
३१ आहारमिश्रकाययोगियोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३४६ ३२ कार्मणकाययोगियोंका क्षेत्र ३४६ ३३ स्त्रीवेदी और पुरुषवेदियोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३४७ नपुंसकवेदी और अपगत-वेदियोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३४८ ३५ क्रोधादि चारों कषाय युक्त जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३५० ३६ मति-श्रुत और अज्ञानी जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३५० ३७ विभंगज्ञानी और मन:पर्ययज्ञानी जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३५१ मति-श्रुत और अवधिज्ञानी जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३५२	५ शेष चार प्रकारकेतिर्यचोंकी स्पर्शनप्ररुपणा ३७६ ६ मनुष्य मनुष्य पर्याप्त और मनुष्यनियोंकी स्पर्शनप्ररुपणा ७ मनुष्य अपर्याप्तोंकी स्पर्शन प्ररुपणा ३८२ ८ सामान्य देवोंका स्पर्शन ३८२ ९ भवनत्रिक देवोंकी स्पर्शन-प्ररुपणा ३८५ १० सौधर्म और ईशान कल्पवासी देवोंकी स्पर्शप्ररुपणा ३८८ ११ सनत्कुमारादि सहस्त्रार कल्प-वासी देवोंकी स्पर्शनप्ररुपणा ३८९ आनतादि चार कल्पवासी देवोंकी स्पर्शनप्ररुपणा ३९० १३ कल्पातीत देवोंका स्पर्शन

३९ केवलज्ञानी जीवोंका क्षेत्र ३५२
४० संयत जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा
३५४ ४१ असंयत जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा
३५५ ४२ चक्षुदर्शनी जीवोंका क्षेत्र
३५५
४३ अचक्षुदर्शनी जीवोंकी क्षेत्र की प्ररुपणा
३५६ ४४ अवधिदर्शनी व केवलदर्शनी जीवोंकी
क्षेत्रप्ररुपणा ३५७
४५ कृष्णादिक पांच लेश्यावाले जीवोंकी
क्षेत्रप्ररुपणा ३५७
४६ शुक्ललेश्यावाले जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा
३५९
४७ भव्य व अभव्य जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा
३६०
सम्यग्दृष्टि और क्षायिक सम्यग्दृष्टि
जीवोंका क्षेत्र ३६१
वेदकसम्यग्दृष्टि, उपशम-सम्यग्दृष्टि
और सासादन-सम्यग्दृष्टि जीवोंकी
क्षेत्रप्ररुपणा ३६२
५० सम्यग्मिथ्यादृष्टि जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा
३६३ ५१ मिथ्यादृष्टि जीवोंका क्षेत्र
३६४ ५२ संज्ञी जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा
३६४
५३ असज्ञी जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३६५
५४ आहारक जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा
३९२
१४ एकेन्द्रिय जीवोंका स्पर्शन
३९२
१५ विकलेन्द्रिय जीवोंका स्पर्शन ३९४
१६ पंचेन्द्रिय जीवोंका स्पर्शन
३९६
पृथिवीकायिकादिक जीवोंकी
स्पर्शनप्ररुपणा ४००
१८ तेजस्कायिक जीव कहां पाये जाते हैं,
इसपर मतभेद ४०१
१९ त्रसकायिक जीवोंकी स्पर्शन-प्ररुपणा
४११ २० पांच मनोयोगी और पांच वचनयोगी
जीवोंकी स्पर्शन-प्ररुपणा
४११ २१ काययोगी और औदारिक-मिश्रकाययोगी
जीवोंकी स्पर्शनप्ररुपणा ४१३
औदारिककाययोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररुपणा ४१४
वैक्रियिककायोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररुपणा ४१५
वैक्रियिकमिश्रकायोगी जीवोंकी
स्पर्शनप्ररुपणा ४१७
२५ आहारकाययोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररुपणा
४१८
२६ आहारमिश्रकाययोगी जीवोंकी
स्पर्शनप्ररुपणा ४१९
२७ कार्मणकाययोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररुपणा

३६५	४१९ २८ स्त्रीवेदी और पुरुषवेदी जीवोंकी
५५ अनाहारक जीवोंकी क्षेत्रप्ररुपणा ३६६	स्पर्शनप्ररुपणा ४२०
स्पर्शनानुगम	२९ नपुंसकवेदी और अपगतवेदी जीवोंकी
१ सामान्य नारकियोंकी स्पर्शन प्ररुपणा	स्पर्शनप्ररुपणा ४२३
३६७ २ झालर समान तिर्यग्लोककी मान्यताका	क्रोधादि चार कषायवाले जीवोंकी
खण्डन ३७१	स्पर्शनप्ररुपणा ४२५
३ द्वितीयादि पृथिवियोंके नार-कियोंकी	३१ मति-श्रुत अज्ञानी जीवोंकी स्पर्शनप्ररुपणा
स्पर्शनप्ररुपणा	४२५ ३२ विभंगज्ञानी जीवोंकी स्पर्शन-
३७३	प्ररुपणा ४२६
४ सामान्य तिर्यचोंकी स्पर्शन प्ररुपणा	
३७४	

क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.	क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.
मति, श्रुत और अवधिज्ञानी जीवोंकी	१९ १० दर्शन व लेश्या मार्गणामें
स्पर्शनप्ररुपणा ४२८	कालप्ररुपणा ४७४
३४ मन:पर्ययज्ञानी जीवोंकी स्पर्शन-प्ररुपणा	२० ११ भव्य और सम्यक्त्व मार्गणामें
४३०	कालप्ररुपणा ४७५
३५ केवलज्ञानी जीवोंकी स्पर्शन-प्ररुपणा	२१ १२ संज्ञी और आहार मार्गणामें
४३१ ३६ संयत, यथाख्यातविहारशुध्दि-संयत	कालप्ररुपणा ४७६
सामायिक-छेदोपस्था-पनाशुध्दिसंयत और	२२ नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तरानुगम
सूक्ष्म-साम्परायिकसंयत जीवोंकी	२३ गतिमार्गणामें नारकी जीवोंकी
स्पर्शनप्ररुपणा ४३१	२४ अन्तरप्ररुपणा ४७८
३७ संयतासंयत जीवोंकी स्पर्शन ४३२	२५ २ तिर्यच व मनुष्योंकी अन्तर-प्ररुपणा
३८ असंयत जीवोंका स्पर्शन	४८०
४३४ ३९ चक्षुदर्शनी जीवोंका स्पर्शन	२६ ३ देवोंकी अन्तरप्ररुपणा ४८१

४३४ ४० अचक्षुदर्शनी जीवोंका	२७ ४ इन्द्रिय मार्गणामें अन्तरप्ररुपणा
स्पर्शन ४३७ ४१ अवधिदर्शनी और	४८२
लेश्यावाले जीवोंकी	२८ ५ काय मार्गणामें अन्तरप्ररुपणा
सपर्शनप्ररुपणा ४३८	४८३
कृष्णादिक चार लेश्यावाले जीवोंकी	२९ ६ योग मार्गणामें अन्तरप्ररुपणा
स्पर्शनप्ररुपणा ४३८	४८४
४३ पदूमलेश्यावाले जीवोंकी स्पर्शनप्ररुपणा	३० ७ वेद मार्गणामें अन्तरप्ररुपणा
४४१	४८६
४४ शुक्ललेश्यावाले जीवोंका स्पर्शन	३१ ८ कषाय और ज्ञान मार्गणामें
४४२	अन्तरप्ररुपणा ४८७
४५ भव्य और अभव्य जीवोंका स्पर्शन	३२ ९ संयम मार्गणामें अन्तरप्ररुपणा
४४४	४८८ १० दर्शन मार्गणामें
४६ सम्यग्दृष्टि जीवोका स्पर्शन	अन्तरप्ररुपणा ४८९
४४५	३३ ११ लेश्या और भव्य मार्गणामें
४७ क्षायिकसम्यग्दृष्टि जीवोका स्पर्शन	अन्तरप्ररुपणा ४९०
४४९	३४ १२ सम्यक्त्व मार्गणामें अन्तरप्ररुपणा
४८ वेदकसम्यग्दृष्टि जीवोंका स्पर्शन ४५१	४९१
४९ उपशमसम्यग्दृष्टि जीवोंका स्पर्शन	३५ १३ संज्ञी मार्गणामें अन्तरप्ररुपणा
४५३	४९३
५० सासादनसम्यग्दृष्टि जीवोंका स्पर्शन	३६ १४ आहार मार्गणामें अन्तरप्ररुपणा
४५५ ५१ सम्यग्मिथ्यादृष्टि जीवोंका स्पर्शन	४९४
४५७ ५२ मिथ्यादृष्टि जीवोंका	३७ भागाभागानुगम
स्पर्शन ४५८	३८ १ नरकगतिमें भागाभागाप्ररुपणा
५३ संज्ञी जीवोंका स्पर्शन ४५८	४९५ २ तिर्यच गतिमें भागाभागाप्ररुपणा
५२ असंज्ञी जीवोंका स्पर्शन ४६१	४९६ ३ मनुष्य गतिमें भागाभागाप्ररुपणा
५३ आहारक व अनाहारक जीवोंकी	४९७ ४ देव गतिमें भागाभागाप्ररुपणा

	स्पर्शनप्ररुपणा	
	नाना जीवोंकी अपेक्षा कालानुगम	
१	नारकी जीवोंकी कालप्ररुपणा	४६२
२	तिर्यच और मनुष्योंकी काल-प्ररुपणा	
४६३ ३	देवोंकी कालप्ररुपणा	४६४
४	एकेन्द्रियादि पांच प्रकारके जीवोंकी कालप्ररुपणा	४६६
५	त्रसकाय और स्थावरकाय जीवोंकी कालप्ररुपणा	४६७
६	योगमार्गणामें कालप्ररुपणा	
४६८ ७	वेदमार्गणामें कालप्ररुपणा	
४७१		
८	कषाय और ज्ञान मार्गणामें कालप्ररुपणा	
४७२		
९	संयम मार्गणामे कालप्ररुपणा	४७३

	४९८ ५ एकेन्द्रिय और बादर एके-	
३९	न्द्रिय जीवोंमें भागाभागाप्ररुपणा	
	४९९	
४०	६ सूक्ष्म एकेन्द्रिय जीवोंमे भागाभागाप्ररुपणा ५०० ७	
	द्वीन्द्रियादिक जीवोंमे भागाभागाप्ररुपणा	५०१
४१	८ काय मार्गणामें जीवोंमे भागाभागाप्ररुपणा	५०२
४२	सूक्ष्म वनस्पतिकायिकोंसे सूक्ष्म	
४३	निगोद जीवोंकी पृथक्प्ररुपणा	५०४
४४	१० योग मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा	
	५०७ ११ वेद मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा	५०९ १२
	कषाय मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा	५१०
४५	१३ ज्ञान मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा	५११
४६	१४ संयम मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा	५१२ १५
	दर्शन मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा	५१३ १६
	लेश्या मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा	५१४ १७
	भव्य मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा	५१५
४७	१८ सम्यक्त्व मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा	५१६

	४८ १९ संज्ञी मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा ५१७ ४९ आहार मार्गणामें भागाभागप्ररुपणा ५१८

क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.	क्रम नं. विषय पृष्ठ नं.
अल्पबहुत्वानुगम १ गति मार्गणामें अल्पबहुत्वप्ररुपणा ५२० २ इन्द्रिय, ५२४ ३ इन्द्रियमार्गणामें प्रकारान्तरसे अल्पबहुत्वप्ररुपणा ५२६ ४ कायमार्गणामें अल्पबहुत्वप्ररुपणा ५३० ५ कायमार्गणामें अन्य प्रकारसे ५३२ ६ कायमार्गणामें एक और अन्य प्रकारसे अल्पबहुत्वप्ररुपणा ५३३ ७ वनस्पतिकायिकोंसे निगोद जीवोंकी पृथक्त्वप्ररुपणा ५३९ ८ काय मार्गणामें चतुर्थ प्रकारसे अल्पबहुत्वप्ररुपणा ५४२ ९ योग मार्गणामें अल्पबहुत्वप्ररुपणा ५५० १० वेद मार्गणामें अल्पबहुत्वप्ररुपणा ५५४ ११ वेदमार्गणामे अन्य प्रकारसे अल्पबहुत्व ५५५	१२ कषाय मार्गणामें अल्पबहुत्व ५५८ १३ ज्ञान मार्गणामें अल्पबहुत्व ५५९ १४ संयम मार्गणामें अल्पबहुत्व ५६१ सयम मार्गणामें अन्य प्रकारसे अल्पबहुत्वप्ररुपणा ५६२ १६ चरित्रलब्धि स्थानोंमें अल्प-बहुत्वप्ररुपणा ५६३ १७ दर्शन मार्गणामें अल्पबहुत्व ५६८ १८ लेश्या मार्गणामें अल्पबहुत्व ५६९ १९ भव्य मार्गणामें अल्पबहुत्व ५७१ २० सम्यक्त्व मार्गणामें अल्पबहुत्व ५७१ २१ सम्यक्त्व अन्य प्रकारसे अल्पबहुत्व ५७२ २२ संज्ञी मार्गणामें अल्पबहुत्व ५७३ २३ आहार मार्गणामें अल्पबहुत्व ५७४ २४ महादण्डक और उसके कहनेका प्रयोजन ५७५ २५ मार्गणा निरपेक्ष अल्पबहुत्व-प्ररुपणा ५७६